Government of India
Ministry of Earth Sciences
India Meteorological Department
Meteorological Centre Jaipur

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग
मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर

संयुक्त कृषि - मौसम सलाहकार सेवा बुलेटिन
राजस्थान राज्य

(बुलेटिन में उल्लिखित सलाह राजस्थान में विभिन्न AMFU और DAMU द्वारा तैयार की गई हैं)

बुलेटिन संख्या 56/2025 **जारी दिनांक 15.07.2025**

राज्य के नौ कृषि-जलवायु क्षेत्र

क्र.सं	कृषि-जलवायुक्षे त्र	ज़िले	एग्रोमेट फील्ड यूनिट (AMFU) स्थान
1	**Arid Western Plain**	Barmer and part of Jodhpur	Jodhpur (CAZRI)
2	**Irrigated North Western Plain**	Sriganganagar, Hanumangarh	Sriganganagar
3	**Hyper arid Partial irrigated zone**	Bikaner, Jaisalmer, Parts of Churu	Bikaner
4	**Internal Drainage Dry**	Nagaur, Sikar, Jhunjhunu, Part of Churu	Fatehpur (Sikar)
5	**Transitional Plain of Luni basin**	Jalore, Pali, part of Sirohi, Jodhpur	Jodhpur (CAZRI)
6	**Semi Arid Eastern Plains**	Jaipur, Ajmer, Dausa, Tonk	Jaipur(DURGAPURA)
7	**Flood Prone Eastern Plain**	Alwar, Dholpur, Bharatpur, Karauli, SawaiMadhopur	Bharatpur (SEWAR)
8	**Sub-Humid Southern Plains**	Bhilwara, Sirohi, Udaipur, Chittorgarh	Udaipur (RCA)
9	**Humid Southern Plains**	Dungarpur, Udaipur, Banswara, Chittorgarh, Pratapgarh	Banswara
10	**Humid South Eastern Plain**	Kota , Jhalawar, Bundi, Baran	Kota

1. मौसम संबंधी चेतावनियाँ (मौसम-उपविभाग स्तर)

• 15 जुलाई: राज्य में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश/गरज/बिजली गिरने की संभावना।

• 16 जुलाई: पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश/गरज/बिजली गिरने की संभावना। पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश/गरज/बिजली गिरने की संभावना।

• 17 जुलाई: राज्य में कहीं-कहीं भारी बारिश/गरज/बिजली गिरने की संभावना।

• 18 जुलाई: कोई चेतावनी नहीं|

• 19 जुलाई: कोई चेतावनी नहीं|

2. मौसम-उपविभाग स्तर पर विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (11 - 24 जुलाई 2025)

मौसम उप-विभाग	वर्षा		अधिकतम तापमान	
	सप्ताह 1(11–17 जुलाई)	सप्ताह 2(18 -24 जुलाई)	सप्ताह 1(11–17 जुलाई)	सप्ताह 2(18 -24 जुलाई)
पूर्वी राजस्थान	Excess to Large excess from normal	excess from normal	Nearly normal	Nearly normal
पश्चिमी राजस्थान	Large excess from normal	excess from normal	Nearly normal	Nearly normal

3. कृषि पर मौसम की चेतावनी का संभावित प्रभाव व संबंधी सलाह

कृषि में आंधी और बिजली गिरने पर क्या करें और क्या न करें

क्या करें
• तेज हवाओं के साथ आंधी आने की संभावना को देखते हुए, बगीचों को यांत्रिक सहायता प्रदान करें, सब्ज़ियाँ लगाएँ।
• अगर किसान खेत में हैं और उन्हें कोई आश्रय नहीं मिल रहा है, तो इलाके में सबसे ऊँची वस्तु से दूर रहें। अगर आस-पास सिर्फ़ एकाकी पेड़ हैं, तो सबसे बेहतर बचाव खुले में छिपना है।
• जानवरों को खुले पानी, तालाब या नदी से दूर रखें।
• जानवरों को ट्रैक्टर और दूसरे धातु के कृषि उपकरणों से दूर रखें।
• खड़ी फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
• कटी हुई उपज (अगर खेत में है) को पॉलीथीन शीट से ढक दें।

क्या न करें
• बिजली के उपकरणों या तारों के संपर्क से बचें।
• धातु से बनी किसी भी चीज़ - ट्रैक्टर, कृषि उपकरण और साइकिल - के संपर्क से दूर रहें। धातु या दूसरी सतहें जो बिजली का संचालन करती हैं।
• अपने जानवरों को पेड़ों के नीचे इकट्ठा न होने दें। अपने पशुओं पर कड़ी नजर रखें और उन्हें अपने प्रत्यक्ष नियंत्रण में रखने का प्रयास करें।

4.राज्य में पिछले चार दिनों की वर्षा का सारांश (07 – 10 जुलाई):

मौसम उप-विभाग	11-07-2025	12-07-2025	13-07-2025	14-07-2025
पूर्वी राजस्थान	FWS	SCT	WS	WS
पश्चिमी राजस्थान	FWS	ISOL	FWS	WS

5. अगले 5 दिनों के लिए वर्षा का पूर्वानुमान

मौसम उप-विभाग	15-07-2025	16-07-2025	17-07-2025	18-07-2025	19-07-2025
पूर्वी राजस्थान	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
पश्चिमी राजस्थान	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL

ISOL:	पृथक अर्थात 1 या 2 स्थानों पर वर्षा	**SCT:**	बिखरी हुई अर्थात कुछ स्थानों पर वर्षा
FWS:	काफी व्यापक अर्थात कई स्थानों पर वर्षा		
WS:	व्यापक अर्थात अधिकांश स्थानों पर वर्षा	**DRY**:	कोई वर्षा नहीं

6. राजस्थान की विभिन्न कृषि मौसम क्षेत्रीय इकाइयों (एएमएफयू) द्वारा जारी कृषि मौसम परामर्श

i. AMFU जोधपुर

ज़िला:जोधपुर

सामान्य सलाहकार:

आने वाले पांच दिनों में मध्यम बारिश की संभावना है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे इस अवधि के दौरान खरीफ फसलों की बुआई स्थगित कर दें।

लघु संदेश सलाहकार:

फलदार पौधें जैसे बेर, आंवला, गुन्दा आदि के पौधें लगाने के लिए उत्तम समय है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मंथ बीना	मोठ की आर.एम.ओ-40, आर.एम.ओ-257, आर.एम.ओ-435 व सी.जेड.एम-2 किस्मों की बुवाई करें । बुवाई हेतु 10-15 किलो बीज प्रति हैक्टेयर के लिए प्रयाप्त है।
ग्वारफली	ग्वार की उन्नत किस्मों जैसे आर.जी.सी.-936, आर.जी.सी-1033, एच.जी-2-20, आर.जी.सी-1038, आर.जी.सी-1031, आर.जी.सी-1017 व आर.जी.एम-112 की बुवाई करें ।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मौसम में नमी की स्थिति के कारण पशु को शेड और साफ क्षेत्र में रखना चाहिए। घरेलू मक्खियों और अन्य के संक्रमण से बचने के लिए शेड के आसपास के क्षेत्र को साफ करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	फसलो की बुवाई लाइनों में करे तथा डी.ए.पी. की पूरी मात्रा बुवाई के समय 7 से 8 सेंटीमीटर गहराई में दे जिससे उर्वरक बीज से 2-3 सेंटीमीटर नीचे रहे।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

खेत में पानी जमा होने से बोई गई फसल को नुकसान

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

आने वाले दिनों में बारिश होने की संभावना हैं अतः बोई गई मूँग, तिल, मोठ, बाजरा तथा ग्वार की फसलों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।

ज़िला:बाड़मेर

सामान्य सलाहकार:

जहां खेत में पर्याप्त नमी उपलब्ध हो वहां खरीफ फसलों की बुवाई करें। बुवाई से पहले बीजों को कवकनाशी और पी.एस.बी. कल्चर से उपचारित कर बुवाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसान भाई खरीफ फसलों की बुआई वर्षा को ध्यान में रखकर करनी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
ग्वारफली	ग्वार की उन्नत किस्मों जैसे आर.जी.सी.-936, आर.जी.सी-1033, एच.जी-2-20, आर.जी.सी-1038, आर.जी.सी-1031, आर.जी.सी-1017 व आर.जी.एम-112 की बुवाई करें ।
मंथ बीना	मोठ की आर.एम.ओ-40, आर.एम.ओ-257, आर.एम.ओ-435 व सी.जेड.एम-2 किस्मों की बुवाई करें । बुवाई हेतु 10-15 किलो बीज प्रति हैक्टेयर के लिए प्रयाप्त है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मौसम में नमी की स्थिति के कारण पशु को शेड और साफ क्षेत्र में रखना चाहिए। घरेलू मक्खियों और अन्य के संक्रमण से बचने के लिए शेड के आसपास के क्षेत्र को साफ करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

बोई गई फसल को नुकसान

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

आने वाले दिनों में बारिश होने की संभावना हैं अतः बोई गई मूँग, तिल, मोठ, बाजरा तथा ग्वार की फसलों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।

आने वाले दिनों में बारिश होने की संभावना हैं अतः फल बागानों, खरीफ फसलों, सब्जियों तथा चारे वाली फसलों में सिंचाई व रासायनिक छिड़काव कुछ समय के लिये स्थगित रखे।

लघु संदेश सलाहकार:

बारिश होने की संभावना हैं अतः फल बागानों तथा फसलों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	जून माह में बोई गई बाजरे की फसल में बुवाई के 25 से 30 दिन बाद 20 किलोग्राम नत्रजन वर्षा या सिंचाई के पानी के साथ देवें। बुवाई के तीसरे तथा चौथे सप्ताह तक निराई गुड़ाई अवश्य करे तथा गुड़ाई 5 सेमी से अधिक गहरी नहीं करें।
मूँगफली	किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि मूँगफली की खड़ी फसल में दीमक तथा सफेद लट के प्रभावी नियंत्रण के लिए फिप्रोनिल 5 प्रतिशत एस.सी. 1.5 लीटर/है. की दर से वर्षा होने के साथ या सिंचाई पानी के साथ मिट्टी में मिलाकर खेत में भुरकें।
नेपियर बजरा	किसान भाइयों को सलाह दी जाती हैं कि नेपियर ग्रास लगाने का उपयुक्त समय हैं अतः पशुओं के लिए वर्षभर हरे चारे की आपूर्ति हेतू नेपियर ग्रास की लगाने का कार्य शुरू करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
अनार	अनार में कलम विधि द्वारा पौधे तैयार करने के लिये कलम लगाने का उपयुक्त समय जुलाई माह या वर्षा ऋतू का प्रारम्भिक समय हैं अतः कलम लगाने का कार्य शुरू करें तथा अच्छी सफलता हेतू कलम को लगाने से पूर्व आई.बी.ए. 1000 पी.पी.एम. के घोल में डुबोकर लगाये।
बेर	बेर में खाद व उर्वरक देने का यह उपयुक्त समय हैं अतः बेर के उद्यानों में उपयुक्त मृदा नमी की दशा में 30 किलो अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद, 1200 ग्राम यूरिया, 1750 ग्राम सुपर फास्फेट, 250 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति पौधा की दर से प्रयोग करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्षा ऋतू में पशुओं में निमोनिया होने की संभावना रहती हैं अतः सीधी बारिश से पशुओं को बचाने की व्यवस्था करें तथा पशुशाला को साफ़ सुथरा रखे।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारी वर्षा की चेतावनी के कारण अपने खेतो से जल निकास की व्यवस्था करे I

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

बारिश होने की संभावना हैं अतः सिंचाई व रासायनिक छिड़काव कुछ समय के लिये स्थगित रखे I

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में बारिश होने की संभावना हैं अतः बोई गई मूँग, तिल, मोठ, बाजरा तथा ग्वार की फसलों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
तिल	तिल की उन्नत किस्मों के बीज आर.टी-46, आर.टी-125, आर.टी-127, आर.टी-346 की बुवाई करें । बीज को ट्राइकोडर्मा विराइड 4 ग्राम या कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम + थायरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।
रेंड़ी	अरण्डी की बुवाई हेतु दो अच्छी जुताई कर खेत तैयार करें तथा जी.सी.एच-4, जी.सी.एच-5, आर.एच.सी-1, डी.सी.एस-9 व जी.सी.एच-7 उन्नत किस्मों है। बुवाई हेतु 12-15 किलो बीज प्रति हैक्टेयर के लिए प्रयाप्त है। अन्तिम जुताई के समय 20 किलो नत्रजन व 20 किलो फास्फोरस प्रति हैक्टेयर की दर से दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मौसम में नमी की स्थिति के कारण पशु को शेड और साफ क्षेत्र में रखना चाहिए। घरेलू मक्खियों और अन्य के संक्रमण से बचने के लिए शेड के आसपास के क्षेत्र को साफ करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	फलदार पौधें जैसे बेर, आंवला, गुन्दा आदि के पौधें लगाने के लिए उत्तम समय है।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

खेत में पानी जमा होने से बोई गई फसल को नुकसान

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

बोई गई मूँग, तिल, मोठ, बाजरा तथा ग्वार की फसलों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई खरीफ फसलों की बुआई वर्षा को ध्यान में रखकर करनी चाहिए।
किसान भाई खरीफ फसलों की बुआई वर्षा को ध्यान में रखकर करनी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

फलदार पौधें जैसे बेर, आंवला, गुन्दा आदि के पौधें लगाने के लिए उत्तम समय है।
फलदार पौधें जैसे बेर, आंवला, गुन्दा आदि के पौधें लगाने के लिए उत्तम समय है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
ग्वारफली	ग्वार की उन्नत किस्मों जैसे आर.जी.सी.-936, आर.जी.सी-1033, एच.जी-2-20, आर.जी.सी-1038, आर.जी.सी-1031, आर.जी.सी-1017 व आर.जी.एम-112 की बुवाई करें ।
मंथ बीना	मोठ की आर.एम.ओ-40, आर.एम.ओ-257, आर.एम.ओ-435 व सी.जेड.एम-2 किस्मों की बुवाई करें । बुवाई हेतु 10-15 किलो बीज प्रति हैक्टेयर के लिए प्रयाप्त है।
ग्वारफली	ग्वार की उन्नत किस्मों जैसे आर.जी.सी.-936, आर.जी.सी-1033, एच.जी-2-20, आर.जी.सी-1038, आर.जी.सी-1031, आर.जी.सी-1017 व आर.जी.एम-112 की बुवाई करें ।
मंथ बीना	मोठ की आर.एम.ओ-40, आर.एम.ओ-257, आर.एम.ओ-435 व सी.जेड.एम-2 किस्मों की बुवाई करें । बुवाई हेतु 10-15 किलो बीज प्रति हैक्टेयर के लिए प्रयाप्त है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	मौसम में नमी की स्थिति के कारण पशु को शेड और साफ क्षेत्र में रखना चाहिए। घरेलू मक्खियों और अन्य के संक्रमण से बचने के लिए शेड के आसपास के क्षेत्र को साफ करें।
भेंस	मौसम में नमी की स्थिति के कारण पशु को शेड और साफ क्षेत्र में रखना चाहिए। घरेलू मक्खियों और अन्य के संक्रमण से बचने के लिए शेड के आसपास के क्षेत्र को साफ करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

खेत में पानी जमा होने से बोई गई फसल को नुकसान
खेत में पानी जमा होने से बोई गई फसल को नुकसान

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

आने वाले दिनों में बारिश होने की संभावना हैं अतः बोई गई मूँग, तिल, मोठ, बाजरा तथा ग्वार की फसलों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
आने वाले दिनों में बारिश होने की संभावना हैं अतः बोई गई मूँग, तिल, मोठ, बाजरा तथा ग्वार की फसलों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।

ii. **AMFU श्रीगंगानगर**

ज़िला:श्रीगंगानगर / हनुमानगढ़

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory) : गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्ताह में प्रथम चार दिनों के मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाईयों को निम्न सलाह दी जाती है एवं मौसम की दैनिक जानकारी के लिये अपने मोबाइल में **मेघदूत, मौसम और दामिनी ऐप** एवं फसल के लिये **(gram ganganagar, mustard ganganagar, wheat ganganagar, kinnowganganagar& cotton ganganagar)** प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउन लोड करें।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषिसलाह (Agricultural Advisory)
देसी	बढवार	—	• कपास के खेत में खरपतवार न पनपने दें। इसके लिए पहली निराई–गुड़ाई सिंचाई के बाद बत्तर आने पर कसिये से करें तथा इसके बाद एक और निराई–गुड़ाई त्रिफाली से करें। • पुष्प कलियों को गिरने से बचाने के लिये एसीमोन या प्लानोफिक्स पादप वृद्धि नियामक का 2.5 मिली. प्रति 100 लीटर पानी में घोल बनाकर पहला छिड़काव कलियां बनते समय करे।
अमेरिकन नरमा	बढवार	— सफेद मक्खी गुलाबी सुंडी	• नरमा कपास के खेत में खरपतवार न पनपने दें। इसके लिए पहली निराई–गुड़ाई सिंचाई के बाद बत्तर आने पर कसिये से करें तथा इसके बाद एक और निराई–गुड़ाई त्रिफाली से करें। • यदि बीटी/नरमा कपास में सफेद मक्खी दिखाई देवें तो खेतों का नियमित निरीक्षण करें व आर्थिक हानि स्तर (8–12 सफेद मक्खी/पत्ती) की स्थिति में नीम आधारित (निम्बेसिडिन 5.0 मि.ली. + तरल साबुन की 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर) कीटनाशकों का छिड़काव करें। • गुलाबी सुंडी दिखाई देने पर इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एस.जी. (100 ग्राम) का 0.5 ग्राम प्रति लीटर पानी या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. का 2 मिली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करे।
मूंग	बिजाई	– उर्वरक किस्म	• मूंग की बिजाई का अन्तिम समय चल रहा है। • उर्वरक 5 किलो नत्रजन, 10 किलो फॉस्फोरस प्रति बीघा खेत तैयारी के समय दे। • बुवाई हेतु सिफारिश की गई किस्मों के उन्नत बीज एम.एच. 1142, एम.एच. 421, के 851, गंगा–1 (जमनोत्री), एस. एम.एल.–668, सत्या एवं आईपीएम 02–3 इत्यादि का प्रयोग करे। बीज दर 4–5 किलो रखे।
बाजरा	बिजाई	– उर्वरक किस्म	• बाजरा की बिजाई का समय चल रहा है। • उर्वरक 22.5 किलो नत्रजन एवं 10 किलो फॉस्फोरस/बीघा देनी चाहिये। नत्रजन की आधी मात्रा व फॉस्फोरस की पूरी मात्रा बुवाई के समय देवें। • बुवाई हेतु सिफारिश की गई किस्मों के उन्नत बीज एच.एच. बी. 67, आईसीएचएम 356, एम.एच. 169, सीजेडपी 9802, जीएचबी 538, एचएच बी 67–2, जीएचबी 719, एच एच बी 60, आर एच बी 90, पूसा 605 का प्रयोग करे। बीज दर 1 किलो प्रति बीघा।
ग्वार	बिजाई	– बिजाई किस्म उर्वरक	• ग्वार के बाद यदि कोई दूसरी फसल नही लेनी हो तो बिजाई जुलाई माह के अन्त तक कर सकते है। • ग्वार की बिजाई के लिए आर.जी.सी. 936, आर.जी.सी. 986, आर.जी.सी. 1002 , एच.जी. 365, एच जी. 563, एच.जी. 2–20 आदि किस्मों का प्रमाणित बीज प्रयोग करें। बीज दर 3–4 किलो बीज प्रति बीघा रखे तथा कतार से कतार की दूरी 30 सेमी रखे। • बिजाई के समय 10 से 11 किलोग्राम यूरिया व 62.5 किलो सुपर फास्फेट प्रति बीघा बेसल के रूप में देवें। बारानी ग्वार में फास्फोरस की मात्रा आधी प्रयोग करें। आगामी मौसम पूर्वानुमान को देखते हुये स्प्रे न करे।
किन्नू	नये बाग स्थापना	खरपतवार	• किन्नू के बागों में निराई गुडाई करके खरपतवार निकाल देवें। जिन किसान भाईयों ने किन्नू के नये बाग लगाने के लिए गड्ढे तैयार कर रखे है, वो उनमें रोपण कार्य करें। पौधे उद्यान विभाग की नर्सरी व अन्य प्रमाणित नर्सरी से ही प्राप्त करें।

iii. AMFU बीकानेर

ज़िला:बीकानेर

विशेष सलाह आने वाले दिनों में ओलावृष्टि के साथ बारिश/ झोंकेदार तेज हवाएं चलने/बिजली गिरने की संभावना है। कृषि मंडियों में खुले में रखे हुए अनाज व जिंसो का सुरक्षित स्थान पर भण्डारण करें ताकि उन्हें भीगने से बचाया जा सके । मेघगर्जन व आकाशीय बिजली चमकने के दौरान पेड़, खम्भों व पानी के स्रोतों से दूर रहें व सुरक्षित जगह पर शरण लेवें। भविष्य के लिए पानी और नमी की हर बूंद का संरक्षण करें। क्षारीय वाले खेतो मे मानसून की वर्षा शुरू होने से पहले गहरी जुताई करके जिप्सम या सड़ी हुई गोबर की खाद डालकर रखे ।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह
मूंगफली	शाखाएँ निकलना	पीलेपन का उपचार	मूंगफली की खड़ी फसल में पीलेपन के लक्षण दिखाई देने पर 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट 01 प्रतिशत साइट्रिक अम्ल का छिड़काव करे।
		खरपतवार नियंत्रण	मूंगफली की फसल में खरपतवार होने पर बुवाई के 30-40 दिन बाद या प्रथम सिंचाई के बाद या वर्षा के बाद एक निराई - गुड़ाई आवश्यक रूप से करें ।घास कुल के खरपतवारों के नियंत्रण के लिए खड़ी फसल में बुवाई के 20-25 दिन बाद क्यूजोलफॉस ईथाइल 5 प्रतिशत ई. सी. की 1000 मि.ली. दवा प्रति हेक्टेयर की दर से 500 ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मूंग	बुवाई की तैयारी	बुवाई का समय, बीज दर, एवं किस्में	मूंग की बुवाई के लिए उचित समय है इसके लिए एस.एम.एल -668, एमएच-421, एमएच-1142, वर्षा (आईपीएम 2के14-9), शिखा (आईपीएम 410-3), आर.एम.जी.-62, आर.एम.जी.-268 व आर.एम.जी.-492 किस्मे अच्छी है, बुवाई के लिए 4 किलो बीज/बीघा की दर से बोएं।
बाजरा	बुवाई	खेत की तैयारी, बुवाई	मानसून की बारिश होने पर बाजरे की बुवाई का समय। उन्नत किस्मों जैसे MPMH 17, RHB 177, RHB 173, HHB 67(i), ICMH 356 आदि के बीजों की व्यवस्था करें।
ग्वार, तिल एवं मोठ	बुवाई	किस्में एवं बीज दर	खरीफ फसलों की बुवाई के लिए ग्वार की एच.जी.-75, आर,जी,सी.-936, आरजीआर-12-1, आरजीआर-18-1 आर,जी,सी.-197, आर,जी,सी.-986, आर,जी,सी.-1017, आर,जी,सी.-1002, आर,जी,सी.-1003; तिल की आर.टी. – 46, आर.टी. – 125, आर.टी. – 127, आर.टी. – 346, आर.टी. – 351; और मोठ की आर.एम.ओ.-257, आर.एम.ओ.-225, आर.एम.ओ.-435, आर.एम.ओ.-423, आर.एम.ओ.-40 व आर.एम.ओ.-2251 किस्में क्षेत्र के लिए उपयुक्त है। मोठ के लिए 3 किलो बीज /बीघा; तिल के लिए आधा किलो बीज/बीघा तथा शाखा युक्त ग्वार के लिए 4 किलो बीज /बीघा व एकल शाखा युक्त ग्वार के लिए 6 किलो बीज /बीघा का प्रयोग करें।
कद्दूवर्गीय सब्जियाँ	फलन	फलों की तुडाई	ग्रीष्मकालीन कुष्माण्ड कुल की सब्जियों तथा तरबूज व खरबूज के फलों की तुडाई फलों के पकने पर ही करें । फल के पास के डण्ठल का सूखना, बजाने पर डल आवाज आना, फल के रंग में परिवर्तन होना फलों के पकने का संकेत है । पानी देने के तुरन्त बाद (12-24 घन्टे) कच्चे फल न तोडे क्योकि कच्चे फल तोड़ने के बाद में पकते नहीं है।
ज्वार	पहली कटाई	ज्वार की विषाक्तता कम करें	देरी से बुआई की गई ज्वार में जहरीला पदार्थ धूरिन हो सकता है जो पशुओं के लिए हानिकारक है अतः 2-3 पानी लगाने या अच्छी वर्षा के तुरंत बाद ही पशुओं को खिलाने के लिए काटें।
पशुधन		खाद्य, पोषक प्रबंधन एंव स्वास्थ्य	शुष्क क्षेत्रों में गर्मियों में हरे चारे की कमी हो जाती है, अतः पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रोटीन युक्त, उच्च पोषण वाली यूरिया – मोलसेज ईंटों का निर्माण करके पशुओं को खिलाएँ ।

ज़िला:जैसलमेर

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में हल्की बारिश होने की संभावना हैं अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती हैं कि गर्मियों वाले बाजरा की कटाई की हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें या खेत में ऊँचे स्थान पर ढेर बनाकर तिरपाल या प्लास्टिक से ढकने की व्यवस्था करें।
आने वाले दिनों में हल्की बारिश होने की संभावना हैं अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती हैं कि गर्मियों वाले बाजरा की कटाई की हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें या खेत में ऊँचे स्थान पर ढेर बनाकर तिरपाल या प्लास्टिक से ढकने की व्यवस्था करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी दिनों में घने बादल छाये रहने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना हैं।
आगामी दिनों में घने बादल छाये रहने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	खरीफ बाजरे की बुवाई का उपयुक्त समय जून मध्य से जुलाई का तृतीय सप्ताह है अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, खाद तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें तथा बुवाई के 2 या 3 सप्ताह पहले 10 से 12 टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करे। बाजरे की बुवाई के लिए 4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से उन्नत किस्मों जैसे एम.पी.एम.एच.-17, एच.एच.बी.-67(इम्प्रूवड) तथा राज-171 का बीज काम में लेवें। बुवाई मौसम पूर्वानुमान के अनुसार ही करें।
मूँग	मूँग मूँग की बुवाई का उपयुक्त समय मध्य जून से मध्य जुलाई है अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, खाद तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। मूँग की बुवाई के लिए 16 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से उन्नत किस्मों जैसे जी.एम.-4, जी.ए.एम.-5, जी.ए.एम.-6 तथा आई.पी.एम.-02-03 का बीज काम में लेवें तथा बुवाई से पहले बीजों को ट्राईकोड्रर्मा विरिडी 8 से 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर ले। बुवाई मौसम पूर्वानुमान के अनुसार ही करें।
ग्वारफली	ग्वार की बुवाई का उपयुक्त समय वर्षा प्रारम्भ या मध्य जून से मध्य जुलाई है अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, खाद तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। ग्वार की बुवाई के लिए 16 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से उन्नत किस्मों जैसे आर.जी.सी.-936, आर.जी.सी.-1033, आर.जी.सी.-1038 तथा आर.जी.सी.-1066 का बीज काम में लेवें तथा बुवाई से पहले बीजों को ट्राईकोड्रर्मा विरिडी 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर ले। बुवाई मौसम पूर्वानुमान के अनुसार ही करें।
बाजरा	खरीफ बाजरे की बुवाई का उपयुक्त समय जून मध्य से जुलाई का तृतीय सप्ताह है अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, खाद तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें तथा बुवाई के 2 या 3 सप्ताह पहले 10 से 12 टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करे। बाजरे की बुवाई के लिए 4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से उन्नत किस्मों जैसे एम.पी.एम.एच.-17, एच.एच.बी.-67(इम्प्रूवड) तथा राज-171 का बीज काम में लेवें।
मूँग	मूँग मूँग की बुवाई का उपयुक्त समय मध्य जून से मध्य जुलाई है अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, खाद तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। मूँग की बुवाई के लिए 16

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से उन्नत किस्मों जैसे जी.एम.-4, जी.ए.एम.-5, जी.ए.एम.-6 तथा आई.पी.एम.-02-03 का बीज काम में लेवें तथा बुवाई से पहले बीजों को ट्राईकोड्रर्मा विरिडी 8 से 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर ले।
ग्वारफली	ग्वार की बुवाई का उपयुक्त समय वर्षा प्रारम्भ या मध्य जून से मध्य जुलाई है अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, खाद तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। ग्वार की बुवाई के लिए 16 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से उन्नत किस्मों जैसे आर.जी.सी.-936, आर.जी.सी.-1033, आर.जी.सी.-1038 तथा आर.जी.सी.-1066 का बीज काम में लेवें तथा बुवाई से पहले बीजों को ट्राईकोड्रर्मा विरिडी 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर ले।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	चिकित्सक की सलाह अनुसार लगड़ी बुखार तथा गलघोंटू का टीकाकरण अवश्य करवा लेवें।
गाय	पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार लगड़ी बुखार तथा गलघोंटू का टीकाकरण अवश्य करवा लेवें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

आगामी दिनों में घने बादल छाये रहने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले दिनों में हल्की बारिश होने की संभावना हैं अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती हैं कि गर्मियों वाले बाजरा की कटाई की हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें या खेत में ऊँचे स्थान पर ढेर बनाकर तिरपाल या प्लास्टिक से ढकने की व्यवस्था करें।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

NA
तूफान और बिजली के समय पेड़ के नीचे न रहे और पशुओं को सुरक्षित स्थान पर बंधे

iv. AMFU फतेहपुर

ज़िला:सीकर / झुंझुनु / नागौर

विशेष सलाह	• आने वाले दिनों में सीकर और आसपास के क्षेत्रों मे कहीं-कहीं पर मेघगर्जन, घने बादल छाए रहने, मध्यम वर्षा व मध्यम गति की हवाएं चलने की संभावना है।वर्षा जल को अधिक से अधिक संरक्षित करने का प्रयास करें. • आने वाले दिनों में होने वाली वर्षा का लाभ लेने के लिए खरीफ फसलों की बुवाई की तयारी रखे		
फसल	**अवस्था**	**विवरण**	**कृषि सलाह**
फसल सुरक्षा			खरीफ फ़सलो में कीट व पतंगों को नष्ट करने के लिए प्रकाश पाश का उपयोग करें। इसके लिए की वर्षा शुरु होते ही खेतों की मेड़ो पर गैस की लालटेन या बल्ब जलाये और इनके निचे 5 प्रतिशत मिटटी का तेल पानी में मिलाकर किसी बड़े बर्तन में रख दे।सफ़ेद लट के नियन्त्रण हेतु वर्षा के प्रारंभ में फेरोमोन का उपयोग चयनित पोषक वृक्षों पर करें।
मूंग	बुआई	उपयुक्त किस्म	आने वाले दिनों में पर्याप्त वर्षा होने पर मूंग की बुआई के लिए आईपीएम-02-3,सत्या,जमनोत्री,आर.एम.जी.-344,आर.एम.जी.492,आर.एम.जी.-975,पंत मूंग -5 एवं एम.एच.-421 का प्रयोग करें, बुआई से 24 घंटे पहले मैंकोजेब+कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम/किग्रा. बीज का प्रयोग करें।
ग्वार	बुआई	उपयुक्त किस्म	पर्याप्त वर्षा होने पर ग्वार की बुआई के लिए आर. जी. सी.-1017,आर. जी. सी.-1031, आर. जी. सी.-1038 एवं आर. जी. सी.-1055 किस्मो की बुआई करे तथा थाइरम 3 ग्रा/किलो बीज उपचार के लिए प्रयोग करें। 250 पीपीएम एग्रोमाइसिन (1 ग्राम 4 लीटर पानी में) का घोल बनाकर बीजों को दो घंटे डुबाकर रखें।
उद्यानिकी		बेर	बेर के बागों में वैफर बीटल कीट का प्रकोप जून-जुलाई माह में अधिक होता हैं यह पेड़ो के नए प्ररोहो एव पतियों को खाता हैं वर्षा शुरु होते ही इसका आक्रमण शुरु हो जाता है इसके नियन्त्रण के लिए क्यूनालफ़ॉस 25 इ.सी.दो मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से पेड़ो पर छिडकाव करें।
उद्यानिकी	पौधो की रोपाई		बेर, आम, नींबू, अनार और आंवला की पौध वाटिका बनाने के लिए एक माह पहले से ही खुदाई किये हुवे गड्ढे में रोपण का उपयुक्त समय है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे बागों के लिए तैयार गड्ढों में गुणवत्तापूर्ण पौध की रोपाई करें।
कद्दूवर्गीय सब्जियों			कद्दूवर्गीय सब्जियों की वर्षाकालीन फसल की बुवाई करें लौकी की उन्नत किस्में पूसा नवीन,पूसा समृद्धि करेला की पूसा विशेष, पूसा दो मौसमी, कद्दू की पूसा विश्वास, पूसा विकास तुरई की पूसा चिकनी धारीदार तुरई की पूसा नसदार तथा खीरा की पूसा उदय, पूसा बरखा आदि किस्मों की बुवाई करें।
पशुधन		स्वास्थ्य प्रबंधन	पशुओं में बारिश के मौसम से मुख्य रूप से लंगड़ा बुखार,खुरपका-मुहपका ,गलघोटू जेसी बीमारिया होती है। जिन पशुओ में इन रोगों का लक्षण दिखाई दे,उनका तुरंत उपचार कराए। पशुओ का अभी तक भी टिकाकरण नही करवाया तो टीकाकरण करवाए। बीमारी आदि से मृत पशु का निस्तारण करे।

v. AMFU जयपुर

ज़िला:जयपुर/ अजमेर/ दौसा/टोंक		
आम सलाह	1. मधु मक्खी (एपिस डोरसाटा) का ख्याल रखें। उनके छत्तों के पास कोई तेज़ आवाज़ (डीजे या सामूहिक नारे) न बजाएँ और गहरे हरे, लाल और पीले रंग के चमकीले कपड़े पहनकर उनके छत्तों के पास से न गुज़रें। 2. अत्याधिक वर्षा के पानी को फार्म के जलाशय में एकत्रित करें तथा बाद में फसलों की क्रान्ति अवस्थाओं में सिंचाई में काम में लें ।	
मुख्य फसल	**स्थिति /अवस्था**	**सलाह**
मूंगफली	निराई गुड़ाई	सिंचित मूंगफली की फसल जिन क्षेत्रों में एक माह के करीब हो गई है वहॉ निराई गुड़ाई कर खरपतवार निकाल देवे । बुवाई के एक माह बाद झुमका किस्म के पौधों की जड़ो पर मिट्टी चढ़ाये। जमीन में मूंगफली की सुईयॉ बनना शुरु होने के बाद निराई गुड़ाई बिल्कुल न करें ।
ज्वार, मक्का, ग्वार, तिल, अरण्डी, मूंगफली, मूंग, मोठ इत्यादि	बुवाई	• खरीफ की बारानी फसलों जैसे ज्वार, मक्का, ग्वार, तिल, मूंग, मोठ इत्यादि की बुवाई करें । • **ज्वार की** सी. एस. एच.–6(90–100 दिन), सी. एस. वी.–10 (100–110 दिन), सी. एस. वी–15 (105–140 दिन) एवं **प्रताप चारी**1080 ज्वार की जयपुर खण्ड के लिये उन्नत किस्में है । ज्वार की बुवाई के लिये प्रति हैक्टेयर 9–10 किलो बीज प्रयोग में लेवे । • **मक्का** की माही कंचन (संकुल, 75–80 दिन) एवं **प्रताप मक्का**5- , **मक्का** की उन्नत किस्में है । मक्का की बुवाई हेतु प्रति हैक्टेयर 20–25 किलो बीज प्रति हैक्टेयर प्रयोग में लेवे । • **मूंग की** आर. एम. जी.–344, आर. एम. जी.–492, आर. एम. जी. 975, आई. पी. एम.–430.3, आर. एम. जी.–344, **एमएसजे**118 उन्नत किस्में हैं । • **चंवला की** आर.सी–152, आर.सी.–101, आर. सी.–19, आर. सी.–101, **सीपीडी** 119 (**करण चावला**-1(उन्नत किस्में हैं । • **मोंठ की** आर. एम. ओ.–40, एम. ओ.–435, एम. ओ.–2251, उन्नत किस्में हैं। • **उड़द की** कृष्णा, टी.–9 उड़द की उन्नत किस्में हैं । इन फसलों के बीजों को बुवाई से पूर्व आधा ग्राम बाविस्टिन प्रति किलों बीज की दर से उचारित करें । • ग्वार **की** आरजीसी936 , आरजीसी986 , आरजीसी1003 , आरजीसी1002 , आरजीसी1017 , आरजीसी 1031 (ग्वार क्रांति(, आरजीसी 1038 (ग्वार करन(, आरजीसी 1055 (ग्वार उदय(, आरजीसी 1066 (ग्वार लाठी(, आरजीसी1033 , करन ग्वार –1) आरजीआर12 -1) ,करन ग्वार -14)आरजीआर18 -1) ,करन ग्वार -15)आरजीआर20 - 15) उन्नत किस्में हैं ।
बाजरा	बुवाई	• **बाजरे की** आर. एच. बी.–234, आर. एच. बी.–173, आर. एच. बी.–177, आर. एच. बी.–223, आर. एच. बी.–233, राज.–171, आर. एच. बी.–2281,, एचएचबी) 67 **उन्नत**(प्रमुख किस्में है । • जल्दी एवं मध्यम समय में पकने वाली किस्मों जैसे एच. एच. बी.–60 एवं एच. एच. बी.–67 में कतारो के बीज की दूरी 45 से.मी. रखें । • **बीज दर एवं बीजोपचार :** चार किलो प्रमाणित बीज प्रति हैक्टेयर प्रयोग में लेवे । बीजो को बाद मेंएजेक्टोबेक्टर एवं पी.एस.बी. कल्चर से भी पैकेट पर दिये दिशा निर्देशों के अनुसार उपचारित करें । **(3) उर्वरक प्रबन्ध** : बारानी बाजरे में मृदा परीक्षण के अभाव में 30–40 किलो नत्रजन तथा 20–30 किलो फास्फोरस प्रति हैक्टेयर की दर से देवे । नत्रजन की आधी मात्रा एवं फास्फोरस की पूरी मात्रा बुवाई से पहले ऊर कर देवे ।
बैंगन	फल	अनुकूल तापमान, बादल और आर्द्र स्थिति के कारण बैंगन की फसल में फल एवं तना छेदक कीट के प्रकोप की सम्भाना है। इसके नियंत्रण हेतु प्रभावित शाखाओं एवं फलों को तोडकर नष्ट कर देवें तथा फल बनने पर **मैलाथियान** 50 **ईसी** / 1ण्0 **मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।**
करेला, कद्दू, लौकी, तुरई, खीरा, टिण्डा, अगेती मूली (पूसा चेतकी), अरबी, भिण्डी, शकरकंद, बड़ी चौलाई, पालक	बुवाई	वर्षा के पूर्वानुमान को देखते हुये करेला, कद्दू, लौकी, तुरई, खीरा, टिण्डा, अगेती मूली (पूसा चेतकी), अरबी, भिण्डी, शकरकंद, बड़ी चौलाई, पालक इत्यादि की बुवाई करने का यह उचित समय है ।
टमाटर	फल	अनुकूल तापमान, बादल और आर्द्र स्थिति के कारण टमाटर की फसल में फल एवं तना छेदक कीट के

		प्रकोप की सम्भाना है। इसके नियंत्रण हेतु प्रभावित शाखाओं एवं फलों को तोडकर नष्ट कर देवें तथा फल बनने पर **मैलाथियान** 50 **ईसी** / 100 **मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।**
पपीता		उचित तापमान और बादल के कारण पपीते की फसल में पर्ण कुचंन व मोजेक रोग के प्रकोप की सम्भावना है । इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही रोग ग्रस्त पौधों को उखाड़ कर नष्ट कर देवे तथा रोग के प्रसार को रोकने हेतु कीटनाशी **डायमेथोएट** 30 **ईसी** का एक मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
मिर्च		अनुकूल तापमान, बादल और आर्द्र स्थिति के कारण मिर्च की फसल में पर्णकुंचन व मोजेक (विषाणु रोग) के प्रकोप की सम्भाना है। इससे पत्तें सिकुड़ कर मुड़ जातें हैं । इन रोगों के प्रसारण में कीट सहायक होते हैं। इन रोगों के नियंत्रण हेतु रोग्रस्त पौधें को उखाड़ कर नष्ट **करें**।
फलदार पौधा	पौधे लगाने	फलदार पौधे लगाने का भी यह उचित समय है। पहले से तैयार गड़डों में पौधे के अनुसार निश्चित सिफारिश की दूरी पर अच्छी किस्म के पौधे लगा देवें । प्रति गडढ़े के हिसाब से 15–20 किलो गोबर की खाद मिला देवें।
पालतू जानवर		पालतू जानवरों जैसे गाय, भैंस, बकरी, भेड इत्यादि को सीधी वर्षा से बचाव के समुचित उपाय करें एवं उनके रहने के स्थल पर पानी इकट्ठा न होने देवे तथा बिछावन को सुखा रखें। पशु के नाक में पानी आना बुखार इत्यादि होने पर निकट के पशु चिकित्सक से तुरन्त इलाज करावे ।

vi. AMFU भरतपुर

ज़िला:भरतपुर/ अलवर/ सवाईमाधोपुर
सामान्य सलाहकार:
बाजरा, ज्वार, मक्का, मूंग, मोठ और ग्वार आदि खरीफ फसलों की बुवाई करें और बीज को उपचार के बाद बोना चाहिए । वर्षा जल संचयन के लिए खेत का तालाब या प्लास्टिक की पानी की टंकी का निर्माण करें। फलों के बगीचों में खोदे गये गड्ढों में खाद और उर्वरक का मिश्रण भरें और बारिश होने पर रोपण कार्य करें। भिंडी,लौकी, कद्दू, करेला, खीरा आदि बरसात के मौसम की सब्जियों की उन्नत किस्मों की बुवाई करें

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	जब मौसम साफ़ हो, तो बाजरे में सभी प्रकार के खरपतवार नियंत्रण के लिए एट्राज़ीन 50% WP की 100 ग्राम मात्रा को 300 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
काला चना	उड़द की खड़ी फसल में इमनजतिपर 10% SL 55 ग्राम सक्रिय संघटक या सोडियम ऐसफ्लोरोफन 16.5 प्रतिशत + क्लॉडिनोफॉप प्रोपरगिल 8% (मिश्रित उत्पाद) 187.5 ग्राम सक्रिय तत्व (वाणिज्यिक) खुराक 750 मिली प्रति हेक्टेयर) बुवाई के 15-20 दिनों के बाद 500 लीटर पानी में डालें, यदि हो तो मिट्टी में पर्याप्त नमी हो, प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	भिंडी की फसल में मोजेक रोग के लक्षण दिखाई देते ही डाइफेन्थुरान 50 डब्ल्यू पी 1.0 ग्राम प्रति लीटरपानी या एसिटामिप्रिड 20 एसपी 0.2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से 15 दिनों के अंतराल पर चार छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुग्रह में मच्छरों और मक्खियों से बचाव के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करें

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

बरसात, बिजली, तूफान आदि से प्रतिदिन के कृषि कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कृषि रसायनों का प्रयोग आसमान खुलने पर ही करें। खरपतवार नियंत्रण के लिए खरीफ फसलों की निराई-गुड़ाई करनी चाहिए।

ज़िला:धौलपुर

सामान्य सलाहकार:

मौसम की जानकारी के लिए मेघदूत मोबाइल ऐप और बिजली गिरने से बचने के लिए दामिनी मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करें। खरीफ फसलों में पोषक तत्वों की मात्रा उनकी सलाह के अनुसार ही डालें। गर्मियों में हरे चारे के लिए ज्वार, बाजरा बोएँ और संकर हाथी घास लगाएँ। वर्षा जल संरक्षण के लिए अपने खेत में वर्षा जल संचयन तालाब या प्लास्टिक की पानी की टंकी बनाएँ। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कुछ दिनों के लिए कृषि रसायनों का छिड़काव स्थगित कर दें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	जब मौसम साफ़ हो, तो बाजरे में सभी प्रकार के खरपतवार नियंत्रण के लिए एट्राज़ीन 50% WP की 100 ग्राम मात्रा को 300 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। सफेद ग्रब के प्रबंधन के लिए क्लोथियानिडिन 50WG @ 500 ग्राम/हेक्टेयर की दर से मिट्टी का उपचार करें। (खेत से 100 किलोग्राम मिट्टी एकत्र करें और उसमें अनुशंसित रसायन मिलाकर सिंचाई/वर्षा से पहले डालें।)
तिल	तिल की खड़ी फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए जब मौसम साफ हो तो बुवाई के 20-25 दिन बाद क्विजालोफॉप-इथाइल 5% ईसी @ 750-1000 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
बाजरा	बाजरे की बुवाई के लिए उपयुक्त किस्मों का चयन करें तथा बुवाई से पूर्व बीजों को 20% नमक के घोल (2 किग्रा नमक प्रति 10 लीटर पानी) में 5 मिनट तक रखें तथा तैरते हुए बीजों को निकालकर अलग कर लें तथा शेष बीजों को पानी से धोकर छाया में रखें तथा ट्राइकोडर्मा (5-7 ग्राम प्रति किग्रा बीज), रीजेंट/ फिप्रोनिल 5 एससी (2.5 मिली प्रति किग्रा बीज) तथा कल्चर (एजोटोबैक्टर+पीएसबी या एनपीके कंसोर्टिया सभी तरल अवस्थाओं में) 20 मिली प्रति किग्रा बीज) से बीजोपचार करें।
काला चना	उड़द की खड़ी फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु इमेजाथिओपर 10 प्रतिशत एस.एल. 55 ग्राम सक्रिय घटक या सोडियम एसीफ्लोराफेन 16.5 प्रतिशत + क्लॉडिनाफोस प्रोपरजिल 8 प्रतिशत (मिश्रित उत्पाद) 187.5 ग्राम सक्रिय घटक को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 15-20 दिन बाद (खरपतवार 3-4 पत्ती अवस्था) भूमि में पर्याप्त नमी होने पर छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	भिंडी की फसल में मोजेक रोग के लक्षण दिखाई देते ही डाइफेन्थुरान 50 डब्ल्यूपी 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी या एसिटामिप्रिड 20 एसपी 0.2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से 15 दिनों के अंतराल पर चार छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं पर कीचड़, बाढ़ आदि का प्रभाव कम से कम हो, इसके लिए उपाय करें। हरे चारे के लिए ज्वार, बाजरा, मक्का आदि बोएँ। नवजात बछड़ों और बछियों को ब्याने के दो घंटे के भीतर दूध पिलाएँ। पशशाला को मच्छरों और मक्खियों से बचाने के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

तूफान और बिजली, तूफान से कार्यस्थल, सामाजिक कार्य परिवहन प्रभावित हो सकते हैं और फलदार वृक्षों के पौधे और युवा शाखाएं टूट सकती हैं।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

अपने आप को, अपने पशुओं और फसलों को आंधी-तूफान और बिजली से बचाएँ। आंधी-तूफान और बिजली गिरने के दौरान कमज़ोर ढाँचे के पास न खड़े हों। अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था करें।

सामान्य सलाहकार:

मौसम की जानकारी के लिए मेघदूत मोबाइल ऐप और बिजली गिरने से बचने के लिए दामिनी मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करें। खरीफ फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिए निराई-गुड़ाई करें। वर्षा जल संचयन के लिए बंजर भूमि पर प्लास्टिक के तालाब या ढाँचे बनाएँ। भिंडी, लौकी, कद्दू, करेला, खीरा, लोबिया आदि जैसी वर्षा ऋतु की सब्जियों की उन्नत किस्मों की बुवाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

अगले पाँच दिनों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। बरसात के दिनों में सब्जियों की फसलों में कृषि रसायनों का प्रयोग और सिंचाई स्थगित रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	जब मौसम साफ़ हो, तो बाजरे में सभी प्रकार के खरपतवार नियंत्रण के लिए एट्राज़ीन 50% WP की 100 ग्राम मात्रा को 300 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। सफेद ग्रब के प्रबंधन के लिए क्लोथियानिडिन 50 WG @ 500 ग्राम/हेक्टेयर की दर से मिट्टी का उपचार करें। (खेत से 100 किलोग्राम मिट्टी एकत्र करें और उसमें अनुशंसित रसायन मिलाकर सिंचाई/वर्षा से पहले डालें।)
तिल	तिल की खड़ी फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए बुवाई के 20-25 दिन बाद क्विजालोफॉप-इथाइल 5% ईसी @ 750-1000 मिली प्रति हेक्टेयर का छिड़काव करें।
काला चना	उड़द की खड़ी फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु इमेजाथिओपर 10 प्रतिशत एस.एल. 55 ग्राम सक्रिय घटक या सोडियम एसीफ्लोराफेन 16.5 प्रतिशत + क्लॉडिनाफोस प्रोपरजिल 8 प्रतिशत (मिश्रित उत्पाद) 187.5 ग्राम सक्रिय घटक को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 15-20 दिन बाद (खरपतवार 3-4 पत्ती अवस्था) भूमि में पर्याप्त नमी होने की दशा में छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	भिंडी की फसल में मोजेक रोग के लक्षण दिखाई देते ही डाइफेन्थुरान 50 डब्ल्यूपी 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी या एसिटामिप्रिड 20 एसपी 0.2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से 15 दिनों के अंतराल पर चार छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं पर कीचड़, बाढ़ आदि का प्रभाव कम से कम हो, इसके लिए निम्नलिखित उपाय करें। हरे चारे के लिए ज्वार, बाजरा, मक्का आदि बोएँ। नवजात बछड़ों और बछियों को ब्याने के दो घंटे के भीतर दूध पिलाएँ। पशुशाला को मच्छरों और मक्खियों से बचाने के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

बरसात के दिनों में दैनिक कार्य और सभी कृषि कार्य प्रभावित होते हैं।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

बिजली, भारी वर्षा और तूफान के दौरान एहतियाती उपाय करें।

vii. AMFU उदयपुर

ज़िला:उदयपुर / भीलवाड़ा / चित्तौड़गढ़/ राजसमंद/ प्रतापगढ़

आने वाले दिनों के लिए कृषि–सलाहकार अवधि: 15 जुलाई, 2025 से 19 जुलाई, 2025 तक	
मक्का	जहां खेत में पर्याप्त नमी उपलब्ध हो वहां किसानों को मक्का की बुवाई पूरी करने की सलाह दी जाती है। मक्का की उन्नत किस्में– प्रताप क्यु. पी. एम –1, एच. क्यु. पी. एम–1, एच. क्यु. पी. एम–5, पी.इ.एच.एम–2 और प्रताप संकर मक्का –1, प्रताप मक्का–9, प्रताप संकर मक्का–3। बुवाई से पहले बीजों को कवकनाशी और पी.एस.बी. या अजाटोबेक्टर से उपचारित कर बोयें।
सोयाबीन	सोयाबीन की बुवाई पर्याप्त नमी होने पर करें। एक हेक्टर की बुवाई के लिए 80 किलो प्रमाणित बीज का प्रयोग करें। बुवाई से पूर्व प्रति किलो बीजो को 3 ग्राम थॉयराम या 1 ग्राम कार्बेण्डिजम द्वारा उपचारित करे। बीजों को बुवाई पूर्व राईजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना आवश्यक है। सोयाबीन की उन्नत किस्में – प्रताप सोया –1, प्रताप राज सोया– 24, एन. आर.सी–37।
खरीफ दाल	मूंग एवं उड़द की फसल की बुवाई हेतु किसान उन्नत बीजों की व्यवस्था करें। मूंग – पूसा विशाल, पूसा– 5931, एस एम एल–668, के–851, आर.एम.जी–62, एम.एल–267, आर.एम.जी–268, एस.एम.एल–668, जी.एम–4, आर.एम.जी–492 उड़द– पी.यू–31, प्रताप उड़द, टी–9, बरखा, के.यू–492 आदि। बुवाई से पूर्व बीजों को फसल विशेष राईजोबीयम तथा फास्फोरस सोलूबलाईजिंग बेक्टीरिया से अवश्य उपचार करें।
मूंगफली	मूंगफली की उन्नत किस्में– प्रताप मूंगफली –1, प्रताप मूंगफली –2, जे.एल–24, जी.जी–7। मिटटी जाचँ के आधार पर अंतिम जुताई से पहले प्रति हैक्टर 250 कि.ग्रा. जिप्सम मिलायें। बुवाई के समय प्रति हैक्टयर 375 किलो सिंगल सुपर फॉस्फेट व 35 किलो यूरिया नायले में उर कर देवें।
ज्वार	ज्वार में तना मक्खी कीट के नियंत्रण के लिए मानसून की पहली वर्षा होने के एक सप्ताह के अन्दर ही बुवाई करें। ज्वार की उन्नत किस्में:– सी.एस.वी.15, सी.एस.वी.17, प्रताप ज्वार 1430, सी.एस.वी.23 हरे चारे के लिए उन्नत किस्में:–बहु कटाई किस्में:– एम.पी.चरी, एस.एस.जी.–59–3 एकल कटाई किस्में:– राजस्थान चरी–1, राजस्थान चरी–2, प्रताप चरी 1080।
अंतराशस्य	अधिकतम उत्पादन और नुकसान को कम करने के लिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अंतराशस्य अपनाये। मक्का में अंतराशस्य के लिए, सोयाबीन की एक पंक्ति को मक्का की एक पंक्ति के बाद 30 सेमी की दूरी पर बोये। मूंगफली में, मूंगफली की छह पंक्तियों के बाद, तिल की दो पंक्तियों को 30 सेमी की दूरी पर बोये।
पशुओं	दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए दुधारू पशुओं को संतुलित आहार देवें।

ज़िला: सिरोही

सामान्य सलाहकार:

लघु संदेश सलाहकार:

बारिश होने की संभावना हैं अतः फल बागानों तथा फसलों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
बारिश होने की संभावना हैं अतः फल बागानों तथा फसलों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
नेपियर बजरा	किसान भाइयों को सलाह दी जाती हैं कि नेपियर ग्रास लगाने का उपयुक्त समय हैं अतः पशुओं के लिए वर्षभर हरे चारे की आपूर्ति हेतू नेपियर ग्रास की लगाने का कार्य शुरू करें।
बाजरा	खरीफ बाजरे की बुवाई का उपयुक्त समय जून मध्य से जुलाई का तृतीय सप्ताह है अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, खाद तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। बाजरे की बुवाई के लिए4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से उन्नत बीज काम में लेवें।
नेपियर बजरा	किसान भाइयों को सलाह दी जाती हैं कि नेपियर ग्रास लगाने का उपयुक्त समय हैं अतः पशुओं के लिए वर्षभर हरे चारे की आपूर्ति हेतू नेपियर ग्रास की लगाने का कार्य शुरू करें।
बाजरा	खरीफ बाजरे की बुवाई का उपयुक्त समय जून मध्य से जुलाई का तृतीय सप्ताह है अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, खाद तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। बाजरे की बुवाई के लिए4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से उन्नत बीज काम में लेवें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
पपीता	पपीते को जड़ सड़न रोग से बचाने के लिए COC @ 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें
पपीता	पपीते को जड़ सड़न रोग से बचाने के लिए COC @ 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	बारिश, गरज और बिजली गिरने की संभावना है, इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने पशुओं को पशुशाला में सुरक्षित रखें।
गाय	बारिश, गरज और बिजली गिरने की संभावना है, इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने पशुओं को पशुशाला में सुरक्षित रखें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारी वर्षा की चेतावनी के कारण अपने खेतो से जल निकास की व्यवस्था करे I
भारी वर्षा की चेतावनी के कारण अपने खेतो से जल निकास की व्यवस्था करे I

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

बारिश होने की संभावना हैं अतः सिंचाई व रासायनिक छिड़काव कुछ समय के लिये स्थगित रखे I
बारिश होने की संभावना हैं अतः सिंचाई व रासायनिक छिड़काव कुछ समय के लिये स्थगित रखे I

viii. AMFU बाँसवाड़ा

ज़िला:बाँसवाड़ा / डूंगरपुर
AMFU से एडवाइजरी प्राप्त नहीं हुई |

ix. AMFU कोटा

ज़िला:कोटा / बूंदी / झालावाड़ / बारां

सामान्य सलाहकार:

मौसम साफ होने पर किसानों को खाली खेतों में खरीफ फसलों की बुवाई शुरू कर देनी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरपतवारनाशकों/कीटनाशकों का छिड़काव केवल मौसम साफ होने पर ही करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	रोपे गए चावल के खेतों में 5 सेमी जल स्तर बनाए रखें। वर्षा की स्थिति में अतिरिक्त पानी को निकाल दें।
मक्का	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम साफ़ होने पर ही, मक्का की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए, बुवाई के तुरंत बाद 500 ग्राम एट्राजीन 50 डब्ल्यूपी को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें व मक्का की खड़ी फसल में, बुवाई के 15-20 दिन बाद टॉप्रामज़ोन 33.6 प्रतिशत एससी के 25.2 ग्राम सक्रिय तत्व या टेम्बोक्राइन 42 प्रतिशत एससी के 120.75 ग्राम सक्रिय तत्व का छिड़काव करें, इससे संकरी और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों पर नियंत्रण होता है।
सोयाबीन	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम साफ़ होने पर ही, सोयाबीन की खड़ी फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए मोडियम एसीफ्लोरफेन 16.5 प्रतिशत क्लैडिनाफॉप प्रोपार्जिल 3 प्रतिशत (मिश्रित उत्पाद) या प्रोपाक्वाजाफॉप 25 प्रतिशत इमाजाडापायर 3.75 प्रतिशत एम.ई. (मिश्रित उत्पाद) की 1000 मिली मात्रा, जिसकी 2 लीटर मात्रा 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 15-20 दिन बाद छिड़काव करें। सोयाबीन की फसल में संकरी एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए अंकुरण से पूर्व पेन्डीमेथालिन 30 ई.सी. एवं इमाजाडापायर 2 ई.सी. का प्रयोग करें। सल्फेंट्राजोन कलामाजोन 58 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण (मिश्रित उत्पाद) (व्यावसायिक दर 3000 मिली.) के सक्रिय घटक की 960 ग्राम मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
काला चना	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम साफ़ होने पर ही, उड़द की खड़ी फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए इमेजाथाइपर 10% एसएल 55 ग्राम सक्रिय घटक या सोडियम एसीफ्लोरोफेन 16.5% क्लोडिनाफॉप प्रोपार्जिल 8% (मिश्रित उत्पाद) 187.5 ग्राम सक्रिय घटक (व्यावसायिक मात्रा 750 मिली प्रति हेक्टेयर) को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर बुवाई के 15-20 दिन बाद (खरपतवार 3-4 पत्ती अवस्था पर हों) मिट्टी में पर्याप्त नमी की स्थिति में छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
अमरूद	किसानों को सलाह दी जाती है कि वर्तमान मौसम की स्थिति पपीता, आम, अमरूद आदि बागवानी फसलों के रोपण के लिए अनुकूल है, इसलिए जितनी जल्दी हो सके बागवानी फसलों को लगा लें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	बारिश के मौसम में पशुओं में कई तरह के रोग हो सकते हैं, क्योंकि इस दौरान नमी, गंदगी और परजीवियों के पनपने के लिए अनुकूल माहौल बनता है। बचाव: पशुओं को सूखे स्थान पर रखना, खुरों की नियमित जांच और सफाई करना। बचाव के सामान्य उपाय: * टीकाकरण: सभी प्रमुख बीमारियों के लिए समय पर टीकाकरण करवाना। * स्वच्छता: पशुशाला को सूखा, साफ और हवादार रखें। गोबर और मूत्र को नियमित रूप से हटाएँ। * पोषण: पशुओं को संतुलित और पौष्टिक आहार दें। * पानी: पीने के लिए स्वच्छ और ताजे पानी की व्यवस्था करें। * परजीवी नियंत्रण: आंतरिक और बाहरी परजीवियों के लिए नियमित दवाएँ दें। * निगरानी: पशुओं के स्वास्थ्य पर नजर रखें और किसी भी बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें। * गीला होने से बचाएँ: पशुओं को तेज बारिश में बाहर न रखें और उन्हें भीगने से बचाएँ। * बारिश के मौसम में पशुओं की उचित देखभाल और समय पर चिकित्सा सहायता से इन रोगों से बचा जा सकता है।

मछली पालन विशिष्ट सलाह:

मछली पालन	मछली पालन विशिष्ट सलाह
ताजा पानी	वर्षा के बाद 10-20 किग्रा चूना/हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
चूज़ा	ताजा पानी उपलब्ध कराएं, छत में रिसाव रोकें, खेत को चारों ओर से ढकें, स्वच्छ स्थिति प्रदान करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

15 जुलाई को कोटासंभाग के कुछ भागों में भारी, अतिभारी बारिश व कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश की गतिविधियों में 17 जुलाई से कमी दर्ज होने की प्रबल संभावना है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

भारी वर्षा के कारण कुछ स्थानों पर निचले इलाकों और अंडरपास में जलभराव हो सकता है। सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता कम हो जाती है, जिससे यातायात दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। बरसाती नदियों और नालों में पानी का प्रवाह बढ़ने/उफनने की संभावना है।

मौसम केंद्र, जयपुर द्वारा जारी जिला स्तरीय मौसम चेतावनी

पूर्वी राजस्थान / EAST RAJASTHAN					
जिला / District	15-07-2025	16-07-2025	17-07-2025	18-07-2025	19-07-2025
अजमेर / Ajmer	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
अलवर / Alwar	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
बांसवाड़ा / Banswara	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
बारां / Baran	मेघगर्जन/वज्रपात	अतिभारी वर्षा/ मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
भरतपुर / Bharatpur	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
भीलवाड़ा / Bhilwara	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
बूंदी / Bundi	मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
चित्तौड़गढ़ / Chittorgarh	मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
दौसा / Dausa	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
धौलपुर / Dholpur	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
डूंगरपुर / Dungarpur	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
जयपुर / Jaipur	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
झालावाड / Jhalawar	मेघगर्जन/वज्रपात	अतिभारी वर्षा/ मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
झुंझुनूं / Jhunjhunu	अतिभारी वर्षा/ मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
करौली / Karauli	मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
कोटा / Kota	मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
प्रतापगढ़ / Pratapgarh	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
राजसमंद / Rajsamand	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
सवाई माधोपुर / Sawai Madhopur	मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
सीकर / Sikar	अतिभारी वर्षा/ मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
सिरोही / Sirohi	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
टोंक / Tonk	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही

उदयपुर / Udaipur	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
पश्चिमी राजस्थान / WEST RAJASTHAN					
जिला / District	**15-07-2025**	**16-07-2025**	**17-07-2025**	**18-07-2025**	**19-07-2025**
बाड़मेर / Barmer	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही
बीकानेर / Bikaner	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
चूरू / Churu	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
हनुमानगढ़ / Hanumangarh	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही
जैसलमेर / Jaisalmer	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही
जालौर / Jalore	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही
जोधपुर / Jodhpur	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही
नागौर / Nagaur	अतिभारी वर्षा/ मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही
पाली / Pali	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही	कोई चेतावनी नही
श्री गंगानगर / Sri Ganganagar	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	भारी वर्षा/मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	मेघगर्जन/वज्रपात	कोई चेतावनी नही

Annexure II

अगले 5 दिनों के लिए मौसम उपखंड स्तर वर्षा मौसम पूर्वानुमान

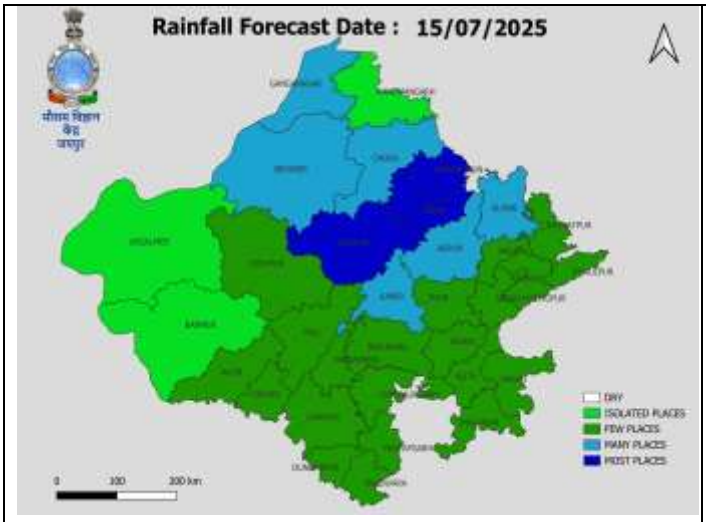

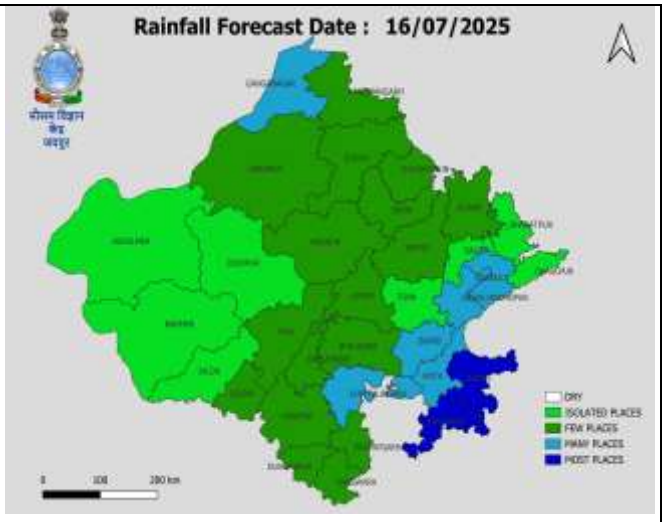

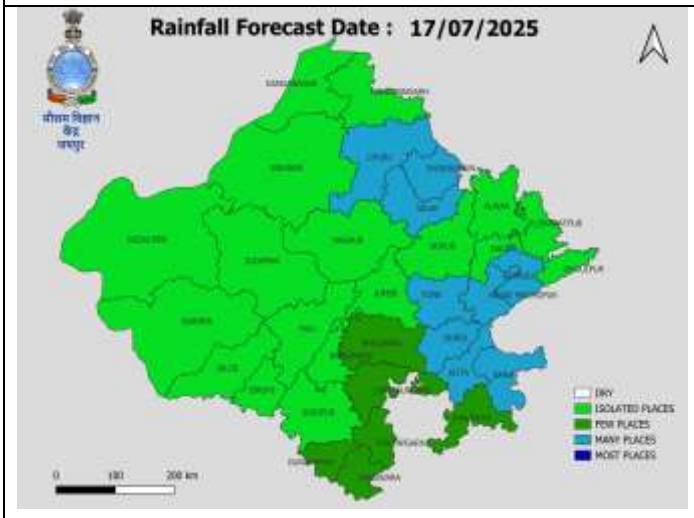

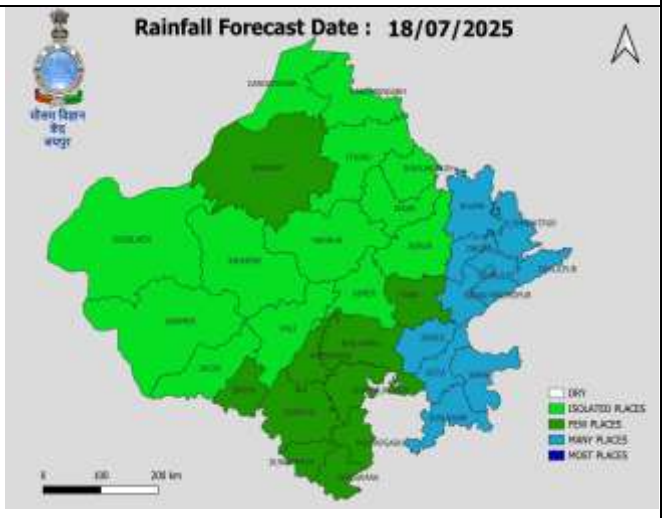

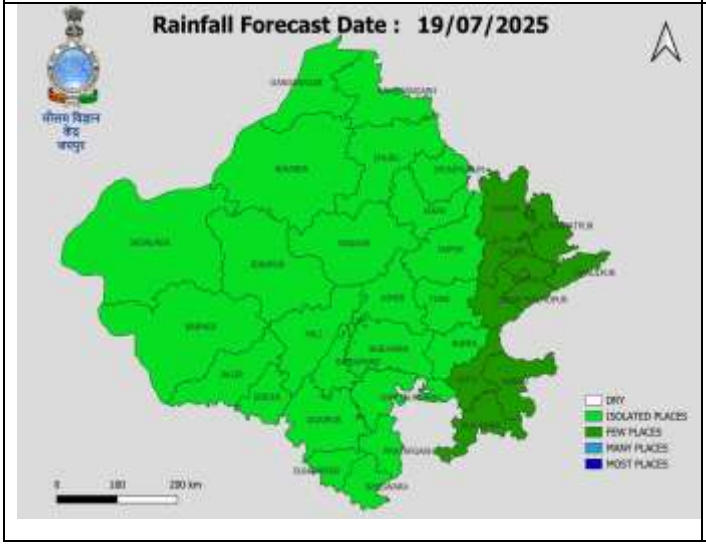

वर्षापात वितरण	श्रेणी
76% या अधिक स्थानों पर (76% or more Rain gauge Stations)	अधिकांश स्थानों पर (MOST PLACES)
51-75%	अनेक स्थानों पर (MANY PLACES)
26-50%	कुछ स्थानों पर (A FEW PLACES)
25% or less	कहीं-कहीं / एक-दो स्थानों पर (ISOLATED PLACES)
	शुष्क / DRY

Annexure III

चेतावनी मानचित्र / Warning map

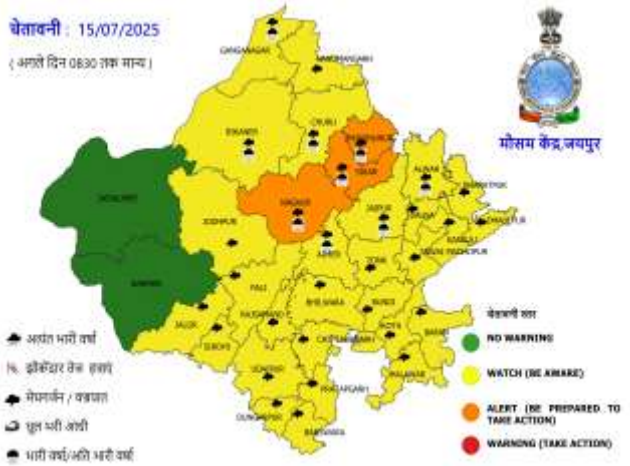

चेतावनी स्तर

- **कोई चेतावनी नहीं**
- **हल्की चेतावनी**
- **मध्यम चेतावनी**
- **तीव्र चेतावनी**

Please Visit :-

1. **Mausam App – For Location Specific Forecast**
    - **Playstore Link:https://play.google.com/store/apps/details?id=com.imd.masuam**
    - **IOS Link:https://apps.apple.com/us/app/id1522893967**
2. **Meghdoot App – For Advisory Services**
    - **Playstore Link:https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot**
    - **IOS Link:https://apps.apple.com/us/app/meghdoot/id1474048155?ls=1**
3. **Damini App – For Lightening Warning**
    - **Playstore Link:https://play.google.com/store/apps/details?id=com.lightening.live.damini**
        - **IOS Link:https://apps.apple.com/app/id1502385645**